राजनीतिक तरकस

RNI NO.: DELHIN/2016/70363

देश का सबसे तेज साप्ताहिक

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

मूल्य: ₹5

वर्ष: 2 ▪ पृष्ठ: 8 ▪ अंक: 07 ▪ दिल्ली ▪ बुधवार, ▪ 08 नवंबर 2023 (08 नवंबर से 14 नवंबर 2023) ▪ website: www.rajneetiktarkas.in

जीटीटीसीआई की एजीएम ने वैश्विक डिप्लोमेसी गाला रात्रि में 45 से अधिक विदेशी मिशनों को मेजबानी की

आर्थिक संबंधों को मजबूत करना: प्रतिष्ठान्वित समर्थन के लिए विदेशी मिशनों को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमेटिक सहयोग की स्वीकृति

दिल्ली ब्यूरो

@RajneetikTarkas.In

नई दिल्ली, 4 नवंबर, 2023 - ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन (भारत) - जीटीटीसीआई, ने रेडिसन ब्लू प्लाजा दिल्ली एयरपोर्ट में वैश्विक डिप्लोमेसी गाला रात्रि के रूप में अपनी पहली वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया। यह दिवाली की भावना से सजीवित हो गई घटना ने दूतावासों और डिप्लोमेटों के सराहनीय उपलब्धियों को प्रदर्शित किया, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। प्रतिष्ठान्वित वैश्विक प्रतिनिधियों से समर्थन की माननीय समर्थन की सम्मानित की गई।

सम्मानित मेहमानों में इरिट्रिया राज्य दूतावास, भारत में डिप्लोमैटिक कोर का डीन, अल्जीरिया गणराज्य दूतावास, बेलारूस की गणराज्य दूतावास, ब्रुनेई दारुसलाम हाई कमीशन, रॉयल डेनिश दूतावास, इथियोपिया की गणराज्य दूतावास, फिजी हाई कमीशन, गाम्बिया हाई कमीशन, घाना हाई कमीशन, कजाखस्तान की गणराज्य दूतावास, किर्गिज गणराज्य दूतावास, लीग ऑफ अरब स्टेट्स मिशन, लिसोथो किंगडम हाई कमीशन, मॉरीशस गणराज्य की उच्च कमीशन, मंगोलियाई दूतावास, म्यांमार की दूतावास, नेपाल की दूतावास, नाइजर की गणराज्य दूतावास, नाइजीरिया की फेडरल गणराज्य हाई कमीशन, मैसिडोनिया की दूतावास, पापुआ न्यू गिनी की हाई कमीशन, पेरू की दूतावास, सर्बिया की गणराज्य की उच्च कमीशन, सेचेल्स की गणराज्य की उच्च कमीशन, त्रिनिदाद और टोबैगो की गणराज्य की उच्च कमीशन, उरुग्वे की दूतावास, बुरुंडी की गणराज्य की दूतावास, चिली की गणराज्य की दूतावास, मलावी, मालदीव की गणराज्य की उच्च कमीशन, दक्षिण सूडान की गणराज्य की दूतावास, और सुरिनाम की दूतावास शामिल थे।

साथ ही, उगांडा हाई कमीशन, कोमोरोस की संघ, अजरबैजान, चेक गणराज्य, रॉयल डेनिश दूतावास, जिबूती की दूतावास, मैडागास्कर गणराज्य की दूतावास, रूसी संघ, श्रीलंका की उच्च कमीशन, संयुक्त राज्य अमेरिका की दूतावास, उज़्बेकिस्तान, समाजवादी गणराज्य वियतनाम, मिस्र की अरब गणराज्य की दूतावास, फिलिस्तीन की दूतावास, ईरान की दूतावास और चीन की दूतावास भी इस मौके पर अपनी उपस्थिति से समृद्ध की। विकास की प्रतीकः जीटीटीसीआई को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा आधिकारिक रूप से पहचानी गई और एपी श्रीथर द्वारा बनाई गई 'इंडिया इन सिंगल लाइन' की महारत का अनावरण और जीटीटीसीआई ट्रेड चैम्बर का शुभारंभ भी परिषद की ग्लोबल व्यापार और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है।

इस घटना में शानदार दीपक प्रज्ज्वलन समारोह, जीवंत नृत्य प्रस्तुतियों, और खुशियों भरी दिवाली कॉकटेल डिनर द्वारा जीटीटीसीआई की निष्क्रिय और जुड़े हुए वैश्विक व्यापार समुदाय को प्रोत्साहित करने की पुष्टि हुई। प्रतिष्ठित सदस्यों और डिप्लोमैटिक प्रतिनिधियों के समर्थन से, जीटीटीसीआई अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डिप्लोमेसी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

आखिर कब तक गैस चैंबर बनता रहेगा दिल्ली-एनसीआर?

● योगेश कुमार गोयल

दिल्ली-एनसीआर की हवा में दीवाली से कुछ दिन पहले ही इस कदर जहर घुल चुका है और हवा इतनी दमघोंटू हो चुकी है कि लोगों को न केवल सांस लेना मुश्किल हो गया है बल्कि अन्य खतरनाक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार इस साल अक्तूबर में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 2020 के बाद सबसे खराब स्तर पर था लेकिन नवम्बर की शुरूआत से ही प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और दिल्ली में एक प्रकार से सांसों का आपातकाल सा दिखाई दे रहा है, जहां चारों स्मॉग की घनी चादर छाई है। यह चादर कितनी खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सूर्य की तेज किरणें भी इस चादर को नहीं भेद पा रही हैं। करीब एक सप्ताह से देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से गिरावट आई है। इस तरह की वायु गुणवत्ता को सेहत के लिए कई प्रकार से बेहद खतरनाक माना जाता है। दिल्ली के कई हिस्सों में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 800 के आंकड़े को भी पार कर चुका है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से कई गुना ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी अगले 15-20 दिनों तक यहां ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है।

वैसे तो दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है और देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में भी वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है लेकिन दिल्ली पिछले कई वर्षों से दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है, जिसका सीधा सा अर्थ है कि करीब 3.3 करोड़ लोगों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का गंभीर जोखिम बना हुआ है। लोगों की सांसों पर वायु प्रदूषण का खतरा इतना खतरनाक होता जा रहा है कि वैज्ञानिक अब दिल्ली में साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण के कारण बढ़ रहे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताने लगे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बहुत खराब रहेगी, जिसका कारण तापमान में कमी और पराली जलाने से होने वाला उत्सर्जन है। केंद्र सरकार के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (डीएसएस) ने पराली जलाए जाने की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका जताई है, जिससे अगले कुछ दिनों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब होने की आशंका है।

चिंता का विषय यह है कि हर साल दिल्ली सहित, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में इस सीजन में खेतों में बड़े स्तर पर पराली जलाई जाती है, जिसके चलते प्रदूषण का यही आलम देखने को मिलता है। यह बेहद चिंता की बात है कि किसानों से खेतों में पराली नहीं जलाए जाने के निरंतर अनुरोधों के बाद भी इस बार दशहरे के मौके पर तो जैसे किसानों में पराली फूंकने की होड़ सी लगी दिखी, वहीं करवा चौथ के मौके पर चांद के दीदार होते ही दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों में लोगों जमकर आतिशबाजी की, जिसने प्रदूषण की स्थिति को और विकराल बनाने में आग में घी का काम किया।

विकास के नाम पर अनियोजित तथा अनियंत्रित निर्माण कार्यों के चलते बिगड़ते हालात, खेतों में जलती पराली, खतरों को जानते-समझते हुए भी की जाने वाली भारी आतिशबाजी तथा वाहनों और औद्योगिक इकाइयों के कारण अत्यधिक प्रदूषित हो रहे वातावरण के भयावह खतरों को हम इसी प्रकार साल-दर-साल झेलने को विवश हैं। हालांकि पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण के मामले में देश में पहले से ही कई कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना कराने के मामले में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग में सदैव उदासीनता का माहौल देखा जाता रहा है। देश की राजधानी दिल्ली तो वक्त-बेवक्त 'स्मॉग' से लोगों का हाल बेहाल करती रही है। न केवल दिल्ली-एनसीआर में बल्कि देशभर में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण का खतरा निरन्तर मंडरा रहा है। वायु, जल तथा अन्य प्रदूषण के कारण अब हर साल देशभर में लाखों लोग जान गंवाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक मानव निर्मित वायु प्रदूषण के ही कारण प्रतिवर्ष करीब पांच लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं।

अब देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां लोग धूल, धुएं, कचरे और शोर के चलते बीमार न हो रहे हों। देश के अधिकांश शहरों की हवा में जहर घुल चुका है। पर्यावरण तथा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत डेविड आर. बॉयड का कहना है कि विश्वभर में इस समय छह अरब से भी ज्यादा लोग इतनी प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं, जिसने उनके जीवन, स्वास्थ्य और बेहतरी को खतरे में डाल दिया है और सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि इसमें करीब एक-तिहाई संख्या बच्चों की है। वायु प्रदूषण न केवल फेफड़ों को बल्कि स्वास्थ्य को तमाम अन्य तरीकों से भी प्रभावित करता है। हवा की खराब गुणवत्ता के कारण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, और बैक्टीरियल संक्रमण के खतरे बढ़ सकते हैं। वायु की खराब गुणवत्ता व्यक्ति में ऑटिज्म, तनाव और स्ट्रोक जैसे तमाम न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर सहित अन्य बीमारियों को भी बढ़ावा देती हैं। वायु प्रदूषण के कारण हवा में कई प्रकार की हानिकारक गैसें सम्मिलित हो जाती हैं, जिनसे सिरदर्द, खांसी, जुकाम और एलर्जी जैसी आम समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के चलते दुनियाभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है, जिनमें करीब छह लाख बच्चे भी शामिल होते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक वातावरण में बढ़ रहा वायु प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए काफी परेशानी पैदा कर सकता है, जिससे रेसपिरेटरी, न्यूरोबिहेवियरल, कार्डियोवैस्कुलर तथा इम्यून सिस्टम से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं।

मौसम के बदलाव के साथ वायु प्रदूषण का प्रभाव कई गुना ज्यादा बढ़ जाने का सबसे बड़ा कारण यही होता है कि ठंड के मौसम में प्रदूषण के भारी कण ऊपर नहीं उठ पाते और वायुमंडल में ही मौजूद रहते हैं, जिस कारण स्मॉग जैसे हालात बनते हैं।

दीपावली: हर तरफ फैलाता सद्भाव का उजाला

दीपोत्सव मूलतः और अंततः हिन्दू पर्व होते हुए अपने आप में व्यापक अर्थ लिए हुए है। यह अंधकार से प्रकाश की तरफ लेकर जाने वाला अनोखा त्योहार है। अंधकार व्यापक है, रोशनी की अपेक्षा। क्योंकि, अंधेरा अधिक काल। दिन के पीछे भी अंधेरा है रात का। दिन के आगे भी अंधेरा है रात का। दिवाली को ईसाई, मुसलमान और यहूदी भी अपने-अपने तरीके से मनाएंगे। सिख, बुद्ध और जैन धर्मावलंबियों के लिए तो इस दिन का खास महत्व है ही। राजधानी दिल्ली के बिशप हाउस पर दिवाली पर आलोक सज्जा की जाएगी। दीए भी जलाए जाएंगे। यही है भारत की विशेषता। क्या है बिशप हाउस? ये नई दिल्ली के जयसिंह रोड पर स्थित देश के प्रोटेस्टेंट ईसाई समाज के प्रमुख बिशप का मुख्यालय है। दरअसल प्रकाश पर्व हमें अपने देश के पवित्र मूल्यों, जरूरतमंद लोगों के प्रति मदद का हाथ बढ़ाने की हमारी जिम्मेदारी और अंधेरे पर रोशनी की ओर बढ़ने का, ज्ञान और रोशनी चुनने की हमारी ताकत, ज्ञान और बुद्धिमत्ता की तलाश, अच्छाई और अनुग्रह का स्रोत बने रहने की हमारी परम्परा की याद दिलाता है।

इस पर्व को सिर्फ हिंदू धर्म से जोड़ना भी अनुचित होगा। भारत के लाखों मुसलमान भी दिवाली को मनाते हैं। वे दिवाली पर अपने घरों- दफ्तरों की सफाई करने के अलावा चिराग जलाते हैं। राजधानी के इमाम हाउस में भी चिराग जलाने की परंपरा है। इंडिया गेट से सटी इस मस्जिद के इमाम मौलाना उमेर इलियासी मानते हैं कि भारत में रहने वाला कौन इंसान होगा जो दिवाली न मनाता होगा। इसी तरह मुंबई की हाजी अली दरगाह और दिल्ली के निजामुद्दीन औलिया की दरगाहों को भी दिवाली पर सजाया जाता है। मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे इस्लामिक देशों में दीपावली पर सार्वजनिक अवकाश भी होता है। मेरे कुछ परिचित बता रहे थे कि बरेली शहर में दिवाली पर मुस्लिम समुदाय के लोग सूने घरों को भी दीयों से रोशन करते हैं। सच में प्रकाश और रोशनी का पर्व अंधकार से रोशनी में ले जाता है। इसलिए हम अपने घरों के आगे अंधकार को दूर करने के लिए दीये जलाते हैं। इसी तरह हमें दिवाली पर अपने मन मस्तिष्क से अज्ञानता का अंधेरा दूर करके ज्ञान रूपी प्रकाश फैलाना चाहिए।

भारत में तो दीपोत्सव देशभर के ईसाई भी मनाते हैं। दीपोत्सव पर राजधानी के ब्रदर्स हाउस में रहने वाले अविवाहित पादरी भी दीये जलाएंगे। इनका कहना है कि दिवाली और क्रिसमस जैसे पर्व अब धर्म की दीवारों को लांघ चुके हैं। इन्हें सब मनाते हैं। दिवाली तो अंधकार पर प्रकाश की विजय दर्शाता है। दरअसल भारत में ब्रदरहुड ऑफ दि एसेंनडेंड क्राइस्ट की स्थापना सन 1877 में हुई थी। इस संस्था का संबंध कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से है। इन्होंने ही राजधानी में सेंट स्टीफंस कॉलेज और सेंट स्टीफंस अस्पताल की स्थापना की। इन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस कार्य किया है। चूंकि ये सब पादरी ब्रदरहुड ऑफ दि एसेंनडेंड क्राइस्ट से संबंध रखते हैं, इसलिये इन्हें ब्रदर भी कहा जाता है। यहां पर रहने वाले पादरी मानते हैं कि रोशनी के इस पर्व को खुशियों का पर्व भी कहा सकता है। दीपावली के आने से पहले ही सारे माहौल में प्रसन्नता छा जाती है।

भारतीय संस्कृति में सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार दीपावली का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की प्रेरणा देता है। भारतवर्ष में हजारों वर्षों से दीप प्रज्ज्वलित कर अंधकार को मिटाकर प्रकाशमान वातावरण का निर्माण किया जाता रहा है। दीपावली पर्व के दौरान धन की अनावश्यक बर्बादी को रोक कर उस राशि का प्रयोजन पुरुषार्थ और परमार्थ के सद्प्रयोजनों में कर आने वाली पीढ़ी को हम यज्ञमय जीवन की सौगात दे सकते हैं। दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने व वायु मंडल को प्रदूषण से बचाने का भी संकल्प लेना। गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा करके दीपावली की रौशनी उनके घरों में भी पहुंचा सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक जितेंद्र तिवारी द्वारा इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18/19/20, सी ब्लॉक, सेक्टर 59, नोएडा, उ.प्र.-201301 से मुद्रित तथा ई 632/7 सी संगम विहार साउथ दिल्ली -110080 से प्रकाशित। प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा। प्रधान संपादक : जितेंद्र तिवारी प्रबंध संपादक :राजेश तिवारी
RNI NO.: DELHIN/2016/70363 Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069 Website: www.rajneetiktarkas.in

वर्षः 2 अंकः 07 नई दिल्ली बुधवार, 08 नवंबर 2023 पृष्ठः 8

अखिल भारतीय महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल दिल्ली(पश्चिम) द्वारा आयोजित आंचलिक कार्यशालाविषय- मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारी में सफलता पूर्ण किया आयोजन

शुचि तिवारी
@RajneetikTarkas.In

कार्यग्राम का संचालन श्रीमती मीना डूँगरवाल (मंत्री, पश्चिम दिल्ली) ने किया

नई दिल्लीः मेरा परिवार, मेरी जिमेवारी कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से की गई। मधुर स्वर ने ब्रह्मांड को गुंजित किया और हर एक के मन में उत्साह की लहर उठी। उस के उपरांत पश्चिमी दिल्ली की उपाध्यक्ष श्रीमती रीता चोरडिया ने स्वागत संदेश से उपस्थित मंच का स्नेह उल्लास से स्वागत किया। मीना ने श्रीमती सायर बैंगानी (संरक्षिका) को प्रमुखा श्री जी का संदेश सांझा करने के लिया आमंत्रित किया । उन्होंने बहुत सरलता से उनका संदेश साँझा किया। नीतू ओस्तवाल (महामंत्री, अखिल भारतीय महिला मंडल) ने मन के उद्गगार में मेरा परिवार मेरी ज़िम्मेदारी के तहत अपने विचार रखे, उन्होंने कहा " अलग अलग व्यक्तित्व के होने के बावजूद, हम साथ साथ कैसे रहे, इंद्रधनुष के सात रंगों की तरह' फिर बिमला दुगर ने साध्वी श्री संघमित्रा का संदेश वचन किया । युवती बहनों ने मेरा परिवार मेरी ज़िम्मेदारी पे अपने विचार प्रस्तुत किए। नाव युवती मीना ने मुख्य वक्ता पंचजन्या बत्रा सिंह , अभिवक्ता सुप्रीम कोर्ट मातृशक्ति आयाम प्रमुख, कुटुंब प्रबोधन हरियाणा ने सुंदर, सरल शब्दों में मेरा परिवार मेरी ज़िम्मेदारी पे अपने विचार रखे । नेतु पटावरी एवं चंदाना बैरिया ने पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता के विजेता के नाम घोषित किया। विनर और कॉन्सोलेशन प्राइज रखे गये । फिर मण्डल की बहिनों ने लघु नाटिका प्रस्तुत किए।

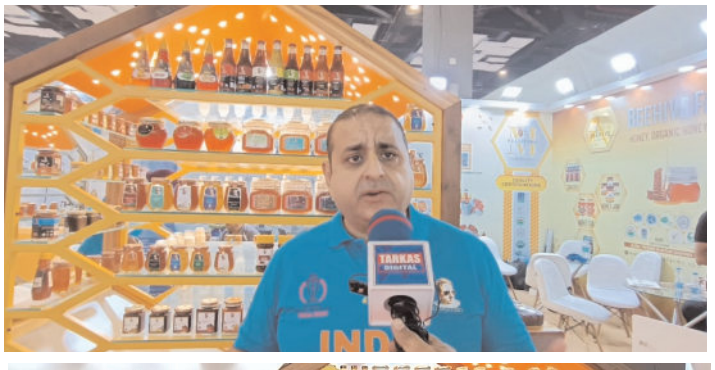

हनीमैन के ब्रांड एम्बेस्डर व कम्पनी के को-फाउंडर शहजादा ने 20 केटेगरी के उत्पाद कि श्रृंखला लॉन्च

दिल्ली ब्यूरो
@RajneetikTarkas.In

नई दिल्लीःहनीमैन के ब्रांड एम्बेस्डर व कम्पनी के को-फाउंडर शहजादा सिंह कपूर ने 20 केटेगरी की उत्पाद श्रृंखला लॉन्च करने के बाद बताया कि ग्राहकों तक पंहुच बनाने के लिए 6 बिज़नेस मॉडल अपनाये गए हैं. जिसमें फ्रेंचाइजी मॉडल के साथ डिस्ट्रीब्यूशन, ई-कॉमर्स, गिफ्टिंग, हॉरिका व एक्सपोर्ट मॉडल को शामिल किया गया है. उन्होंने बताया कि हनीमैन एक स्टार्टअप है, जिसने अपने इनोवेटिव प्रोडेक्ट ग्राहकों के लिए लॉन्च किये हैं. शहजादा सिंह कपूर ने बताया कि हनीमैन की उत्पाद श्रृंखला काफी विस्तृत है. जिसमे 13 तरह के प्राकृतिक शहद, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर प्रोडेक्ट के साथ हेल्थ एन्ड वेलनेस उत्पाद शामिल हैं. उन्होंने बताया कि दिल्ली में हुए वर्ल्ड फ़ूड एक्सपो के बाद अब चंडीगढ़ में हनीमैन स्टार्टअप ने कुछ एक्सक्लूजिव प्रोडेक्ट रेंज भी लॉन्च की है. जिसमें 5 तरह के शूगर फ्री हनी बेस्ड च्यवनप्राश के आलावा हनी बेस्ड कश्मीरी कहवा की रेंज शामिल है. हनीमैन के ब्रांड एम्बेस्डर शहजादा का कहना हैं कि शहद उत्पादन के जरिये किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं. केंद्र सरकार भी स्वीट रेव्यूलूशन के जरिये किसानो को सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है. शहजादा का मानना है की मौजूदा समय में लोगों में बढ़ रही सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए शहद एक बेहतर विकल्प है. शहद प्रकृति की देन है और चीनी व ग्लूकोस का बेहतर विकल्प है. जो सेहत के लिए फायदेमंद है. उन्होंने बताया कि हनीमैन ने अपने उत्पादों में चीनी व ग्लूकोस के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया है.

लगातार 13 साल अपेडा के पतिष्ठित लीडिंग हनी एक्सपोर्टर का अवार्ड हासिल करने वाले शहजादा सिंह कहते है की आयुर्वेद में च्यवनप्राश का जो विवरण मिलता है उसमें चीनी का इस्तेमाल नहीं किया जाता। क्योंकि सदियों पहले जब च्वनप्राश को बनाना शुरू किया गया था उस समय चीनी का उत्पादन शुरू भी नहीं हुआ था, उस समय मिठास के लिए शहद का प्रयोग च्वनप्राश में किया जाता था. सदियों पुराने आयुर्वेद के वास्तविक फार्मूले का इस्तेमाल करते हुए हनीमैन ने शहद से च्वनप्राश तैयार किया है. इसी तरह कई विश्व स्तरीय उत्पाद हनीमैन स्टार्टअप द्वारा बाजार में उतरे गए हैं. जिन्हें शुरुआत के साथ ही कई प्रतिष्ठित अवार्ड बैस्ट हनी इन द वर्ल्ड, बैस्ट बी-बेस्ड प्रोडेक्ट इन द वर्ल्ड, बैस्ट हनी बेस्ड प्रोडेक्ट कॉन्सेप्ट और बैस्ट पैकेजिंग हासिल हो चुके हैं.

इस से पहले यूक्रेन, टर्की, इटली और साऊथ कोरिया में हुई इंटरनेशनल एग्ज़ीबिशन में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ बीकीपर्स एसोसिएशन्स एपिमोड़िआ ने बेस्ट हनी इन द वर्ल्ड के ख़िताब से हनीमेन को नवाजा। दो बार शहद से भरी ट्रेन एक्स्पोर्ट के लिए भेज कर वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम के साथ जोड़ लिया। लुधियाना से 2011 में 90 डिब्बों वाली और 2013 में 200 डिब्बों वाली ट्रेन में 4000 मीट्रिक टन शहद एक्सपोर्ट कर शहजादा सिंह कपूर वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर चुके हैं.

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
■ Website: www.rajneetiktarkas.in
वर्ष: 2 अंक: 07 नई दिल्ली बुधवार, 08 नवंबर 2023 पृष्ठ: 8

गरीबों को लुटने से बचाया, सुविधाएं दीं इसलिए एमपी के मन में है मोदी : प्रधानमंत्री

सीधी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यहां के लोग कह रहे हैं कि "एमपी के मन में मोदी" और "मोदी के मन में एमपी"। लेकिन आपने कभी सोचा है, ऐसा क्यों है? भाजपा की सरकार से पहले 10 सालों तक देश में कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन उस सरकार ने गरीब, मध्यम वर्ग को लूटने का ही काम किया। टेलीकॉम घोटाला, कोयला घोटाला और न जाने कितने घोटालों से कांग्रेस ने लाखों करोड़ रुपये लूट लिए। आपके इस सेवक ने जो प्रयास किए हैं, उनसे घोटाले बंद हुए हैं। गरीब-मध्यम वर्ग का पैसा लुटने से बच गया, साथ ही इस वर्ग को सुविधाएं भी मिली हैं। इसी के कारण एमपी के मन में मोदी है और ये ईश्वर रूपी जनता जनार्दन मोदी के मन में बस गयी है।

झूठ बोलना, भ्रमित करना कांग्रेस का इतिहास

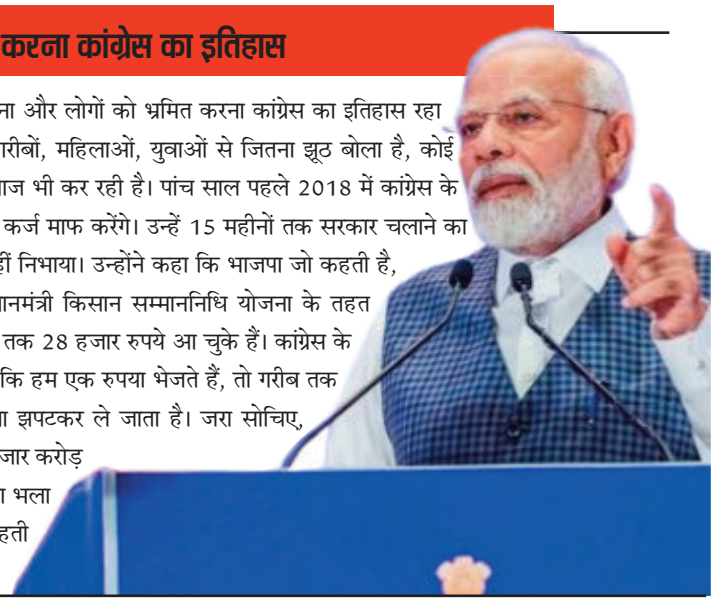

मोदी ने कहा कि डगर-डगर पर झूठ बोलना और लोगों को भ्रमित करना कांग्रेस का इतिहास रहा है। पिछले 50-60 सालों में उन्होंने देश के गरीबों, महिलाओं, युवाओं से जितना झूठ बोला है, कोई कल्पना नहीं कर सकता। यही काम कांग्रेस आज भी कर रही है। पांच साल पहले 2018 में कांग्रेस के लोगों ने कहा था कि 10 दिनों में किसानों का कर्ज माफ करेंगे। उन्हें 15 महीनों तक सरकार चलाने का अवसर भी मिला, लेकिन उन्होंने यह वादा नहीं निभाया। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है, वो डंके की चोट पर करके दिखाती है। प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि योजना के तहत मध्यप्रदेश के हर किसानों के खातों में भी अब तक 28 हजार रुपये आ चुके हैं। कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि हम एक रुपया भेजते हैं, तो गरीब तक सिर्फ 15 पैसा पहुंचता है, 85 पैसे एक पंजा झपटकर ले जाता है। जरा सोचिए, आज अगर कांग्रेस होती तो वही पंजा कितने हजार करोड़ छीन चुका होता? जब सिर्फ और सिर्फ देश का भला करने के इरादे से काम होता है, तभी जनता कहती है "एमपी के मन में है मोदी"

प्रधानमंत्री मंगलवार को सीधी के मोदी नगर, मडरिया बायपास में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। ते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर हमारी सरकार अब तक दो लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। इससे कोरोना संकट से लगाकर अभी तक 80 करोड़ देशवासियों को मुफ्त राशन मिल रहा है, गरीब का चूल्हा जलता रहा है। यह मोदी की गारंटी है कि देश का कोई भी गरीब भूखा नहीं रहेगा। इसलिएमैंने यह निर्णय लिया है कि दिसंबर में समाप्त हो रही इस योजना को अगले पांच सालों तक बढ़ा दिया जाए।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। अगर यह योजना नहीं होती, तो अब तक इलाज पर गरीबों की जेब से एक लाख करोड़ रुपये खर्च हो चुके होते। लेकिन यह पैसा बच गया। इस योजना से उन माता-बहनों का भी इलाज हो रहा है। परिवार उजड़ने से बच रहे हैं और उनकी खुशियां लौट रही हैं। हमारी सरकार ने लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए 10,000 जन औषधि केंद्र खोले हैं, जिन पर 80 प्रतिशत डिस्काउंट मिलता है। इन सस्ती दवाओं से गरीब, मध्यम वर्ग के 25000 करोड़ रुपये बच गए। हर गरीब परिवार को पक्का घर मिले, यह गारंटी भी मोदी ने दी है। इस योजना के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपये खर्च करके 4 करोड़ गरीबों को घर उपलब्ध कराए जा चुके हैं। हर घर शौचालय और उज्ज्वला योजना के मुफ्त कनेक्शन पर ही हजारों करोड़ रुपये सरकार खर्च कर रही है। अभी हाल ही में हमने उज्ज्वला गैस सिलेंडर में 500 रुपये सस्ते कर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बैगा, भारिया और सहरिया जनजातियों के लिए 15000 करोड़ रुपये से एक विशेष अभियान शुरू करने जा रही है। मध्यप्रदेश में भी हमारी सरकार बैगा, भारिया, सहरिया बहनों को सीधी मदद दे रही है। पीएम विश्वकर्मा योजना पर 13000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। हमारी सरकार के ऐसे ही कामों के कारण गांव-गांव कह रहा है, हर वंचित परिवार कह रहा है, फिर एक बार-भाजपा सरकार। कांग्रेस की ऐसी बर्बादी क्यों हुई?

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस देश में परिवारवाद की सबसे बड़ी प्रतीक है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के दो नेताओं के बीच कपड़ा फाड़ने की कंपिटीशन चल रहा है। मोदी ने कहा कि जिस मध्यप्रदेश को कांग्रेस ने बीमारू राज्य बना दिया था, भाजपा की सरकार ने उसे विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। आज मध्यप्रदेश अन्न उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है, स्वच्छता के मामले में अग्रणी है।

उग्रवाद, नक्सलवाद व भ्रष्टाचार के लिए कांग्रेस जिम्मेदार: योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शाजापुर व देवास जिलों में की जनसभा

शाजापुर, 7 नवंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का नाम ही समस्या है। देश में नक्सलवाद, उग्रवाद और भ्रष्टाचार के लिए कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार है। देश के बच्चों को कांग्रेस अकबर महान पढ़ाती है, भाजपा छत्रपति शिवाजी और महारायणा प्रताप को महान पढ़ाती है। कांग्रेस के लिए भारत का इतिहास केवल नेहरू से प्रारंभ होता है। कांग्रेस के नेता खुद को एक्सीडेंटल कहते हैं। एक्सीडेंट हुआ और कांग्रेसी पैदा हो गए। कांग्रेस तो वह पार्टी है, जिसने भगवान राम और श्रीकृष्ण के अस्तित्व को भी नकार दिया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को शाजापुर जिले के शुजालपुर व कालापीपल और देवास जिले के खातेगांव व सोनकच्छ क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की 142 करोड़ जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक परिवार मानते हैं। काशी विश्वनाथ में जाइए, तो नई काशी का दर्शन होता है। केदारपुरी जाइए तो भगवान केदारनाथ का भव्य दर्शन होता है। उज्जैन में महाकाल महालोक आने पर आपको एक नई अनुभूति होती है। अब तो अयोध्या पुरी भी तैयार हो चुकी है। आने वाली 22 जनवरी को भगवान रामलला अयोध्या के भव्य मंदिर में विराजमान हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के लिए हमारे पूर्वजों ने संघर्ष किया है। 500 वर्षों के विवाद का समाधान भी भाजपा की डबल इंजन की सरकार में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुआ है। भारत की जनता को गुलामी की दृष्टि से देखने वाली कांग्रेस पार्टी फिर से भारत को गुलामी की ओर ले जाना चाहती है। वहीं भाजपा भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की परंपरा को आगे ले जाने का कार्य कर रही है। राम मंदिर के लिए बलिदान हुआ था। भारत के लोगों ने राम मंदिर के लिए बलिदान दिया, साधना की। आज वह मनोकामना पूरी होते देख रहे हैं। हम अपने पूर्वजों की मनोकामनाओं को मूर्त रूप लेते हुए देख रहे हैं, इसलिए मैं कहता हूं कि हम सब सौभाग्शाली हैं कि भगवान रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के साक्षी हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए भारत का इतिहास केवल नेहरू से प्रारंभ होता है। वे अबकर को महान पढ़ाते हैं, भाजपा छत्रपति शिवाजी और महाराणा प्रताप महान पढ़ाती है। देश में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की परंपरा को आगे ले जाने के लिए देश में डबल इंजन की सरकार चाहिए। पहले उत्तर भारत के उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश बीमारू राज्यों की श्रेणी में आते थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकालने के लिए मैं यहां के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री चौहान ने मध्यप्रदेश के विकास के लिए बहुत कार्य किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार के कार्य गौरव की अनुभूति कराते हैं।

जब अपने साथ छोड़ दिए थे, मोदी जनता के साथ खड़े थे

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने करोड़ों शौचालय बनवाकर व सफाई अभियान चलाकर एक क्रांति लाई है। उज्ज्वला योजना को लागू करके घरेलू महिलाओं के आंसू पोछने का कार्य किया है। कोरोना संकटकाल में जब अपने साथ छोड़ रहे थे, तब प्रधानमंत्री मोदी ने देश की गरीब जनता को मुफ्त में प्रति व्यक्ति पांच किलो राशन दिया। दुनिया की उच्च कोट की दो वक्सीन का निर्माण कराकर देश की जनता को मुफ्त में कोरोना के टीके लगवाए।

वर्षः 2 अंकः 07 नई दिल्ली बुधवार, 08 नवंबर 2023 पृष्ठः 8

राज मिस्त्रियों के प्रशिक्षण से रोजगार के नये द्वार खुलेंगे : केशव मौर्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर और अधिक कुशल,दक्ष और हुनरमंद बनाया जा रहा है। राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण से उनके रोजगार के नये द्वार खुल रहे हैं और उनकी आय में बढ़ोतरी भी हो रही है। यही नहीं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के तहत बनाये जा रहे आवासों की गुणवत्ता में भी और अधिक सुधार होगा। ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुरूष/ महिला को सर्टिफिकेशन के बाद बड़े जगहों एवं निर्माण एजेन्सियों में कार्य करने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी कार्य क्षमता के उपयोग के साथ उन्हें बेहतर मजदूरी भी मिलती है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्राम्य विकास विभाग ग्रामीण परिवारों के उत्थान के लिए सतत् प्रयासरत है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत रूरल मेसन ट्रेनिंग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रशिक्षण से

ग्रामीण क्षेत्रों में राजमिस्त्रियों की पर्याप्त उपलब्धता से निर्माण कार्यों में तेजी आएगी तथा लोगों के लिए रोजगार के नये अवसर भी प्राप्त होगे। विशेष बात तो यह भी है कि इस योजना में महिला राजमिस्त्रियों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।पुरूषों के साथ महिला राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण कार्य है, जिससे महिला सशक्तीकरण एवं उनको आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के आवासों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने तथा घरों के निर्माण के लिए कुशल राजमिस्त्रियों उपलब्धता सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत रूरल मेसन ट्रेनिंग का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर जो राजमिस्त्री का प्रशिक्षण लेने के इच्छुक हो, को प्रशिक्षण देने की कार्यवाही की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में जो राजमिस्त्री पहले से राजगीरी का काम कर रहे होते हैं ,उन्हें 15दिन का और जो व्यक्ति राजमिस्त्री का काम नहीं करते हैं या नहीं जानते हैं और प्रशिक्षण लेने के इच्छुक होते हैं, तो उन्हें 45 दिन का प्रशिक्षण देकर कुशल मिस्त्री बनाया जाता है।

यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के ग्रामीण राजमिस्त्री अर्हता पैक (क्यूपी) के अनुसार दिया जा रहा है। प्रदेश में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा दीन दलाय उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, लखनऊ को प्रशिक्षण के लिए नोडल एजेन्सी नामित किया गया है।

खालिस्तान समर्थक पन्नू की एयर इंडिया को धमकी के बाद सरकार अलर्ट

दिल्ली-पंजाब एयरपोर्ट पर यात्रियों की दोहरी जांच

नई दिल्ली । खालिस्तान समर्थक और प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा एयर इंडिया की फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की दी गई धमकी के बाद भारत सरकार सतर्क हो गई है। इसे लेकर भारत के ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) ने सोमवार को सख्त आदेश जारी किए हैं। इसमें कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि एयर इंडिया के यात्रियों को 30 नवंबर तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट और पंजाब के सभी हवाई अड्डों पर दोहरी सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। इससे यात्रियों का काफी समय बर्बाद होगा, लेकिन सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने इस फैसले को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है।

नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने कहा कि हवाई अड्डों, हवाई पट्टियों, हवाई क्षेत्रों, वायु सेना स्टेशनों, हेलीपैड, फ्लाइंग स्कूलों, विमानन प्रशिक्षण संस्थानों को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही भारतीय

एजेंसियां लगातार खतरे की जानकारी साझा कर रही हैं।

ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की ओर से जारी आदेशों में कहा गया है कि (टेम्परेरी एयरपोर्ट एंट्री पास) पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। ये आदेश इस महीने की 30 तारीख तक लागू रहेंगे। हवाई अड्डों पर जाने के लिए टिकट की आवश्यकता होती है, जिसे एयरपोर्ट की भाषा में टीएईपी पास कहा जाता है।

उल्लेखनीय है कि खालिस्तान समर्थक और प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने पिछले शनिवार को एक वीडियो जारी कर कहा था कि 19 नवंबर को एयर इंडिया के विमानों को वैश्विक स्तर पर निशाना बनाया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को बंद करने की भी धमकी दी थी।

कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र में हर वर्ग को ठगने का काम कियाः जयराम ठाकुर

शिमला, 7 नवंबर (हि. स.)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र उसकी चुनावी गारंटियों की तरह खोखले निकले। कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र में हर वर्ग को ठगने का काम किया।

जयराम ने कहा कि बड़े ज़ोर-शोर से अपने केंद्रीय नेताओं के साथ हिमाचल कांग्रेस के नेताओं ने चुनावी गारंटी के साथ चुनावी घोषणा पत्र भी जारी किया था। जिसमें एक दावा था कि प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और मजबूत करने किया जाएगा। कांग्रेस के नेताओं ने दावा किया था कि दुर्गम स्थानों पर लोगों की राशन देने के लिए मोबाइल वैन की सुविधा शुरू करेगी। सरकारी राशन के डिपो की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ ही राशन डिपो धारकों के मानदेय बढ़ाकर को 20 हज़ार रुपये कर देगी। सरकार ने डिपो में सुविधाएं बढ़ाने के बजाय डिपो में मिल रही सुविधाएं भी कम कर दी हैं। सस्ते दामों मिलने वाले दाल-तेल सहित अन्य सामानों के दाम बढ़ा दिये हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार अपने इस चुनावी वादे की स्थिति स्पष्ट करे और बताए कि दुर्गम स्थानों पर राशन पहुंचाने के लिए कितनी मोबाइल वैन सेवाएं शुरू की हैं। ठाकुर ने कहा कि घोषणापत्र जारी करते समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा था कि चुनावी घोषणापत्र उनके लिए पवित्र दस्तावेज है। जिसे वह हर हाल में पूरा करेंगे। सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है और सरकार बनने के बाद कांग्रेसी नेताओं ने उस "पवित्र दस्तावेज' को एक बार छुवा तक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दस गारंटियां देकर सिर्फ़ युवाओं, मातृशक्ति और बुजुर्गों को ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग को किसी न किसी प्रकार के झूठे वादों के ज़रिए ठगने का प्रयास किया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को चाहिए कि वह अपनी पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र को एक बार उठाकर देख लें और प्रदेश के लोगों से किए गए वादों को जल्दी से जल्दी पूरा करें।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने सहकारी समितियों के विक्रेता और कर्मचारियों को भी निजी डिपोधारकों की तरह वित्तीय लाभ देने की व्यवस्था करने की घोषणा की थी। सरकार बने एक साल होने वाले हैं लेकिन अभी तक न तो सरकार में बैठे लोगों ने इस बारे में कोई बात की है और न ही कांग्रेस पार्टी में ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोगों ने सरकार को अपने इस वादे के बारे में ही याद दिलाया है।

बॉलीवुड सिंगर यो यो हनी सिंह को पत्नी शालिनी सिंह से तलाक की मंजूरी

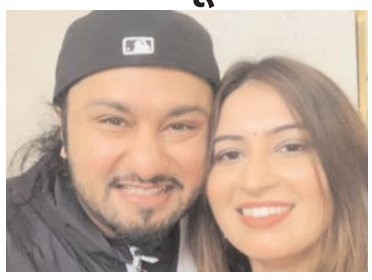

नई दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने बॉलीवुड सिंगर यो यो हनी सिंह ऊर्फ हिरदेश सिंह और उनकी पत्नी शालिनी सिंह के तलाक को मंजूरी दे दी है। दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते के बाद कोर्ट ने तलाक को मंजूरी दी। शालिनी सिंह ने अपने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दायर किया था। अपनी याचिका में शालिनी सिंह ने कहा था कि हनी सिंह हनीमून के समय से ही उन्हें प्रताड़ित करते थे। शालिनी ने याचिका में कहा था कि मॉरीशस में हनीमून के दौरान ही हनी सिंह के व्यवहार बदलने लगे थे। हनीमून के दौरान एक घटना के बारे में याचिका में कहा गया था कि हनी सिंह होटल के कमरे से बाहर चले गए और दस-बारह घंटे तक वापस नहीं आए। शालिनी के लिए वो जगह नई थी, जिसकी वजह से वो कमरे में ही रही और हनी सिंह का इंतजार करती रही। हनी सिंह उस दिन देर रात वापस लौटे तो नशे में थे। शालिनी तलवार ने याचिका में हनी सिंह से दस करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की थी। याचिका में दिल्ली में आवास की मांग की गई थी और मासिक खर्च के रुप में पांच लाख रुपये हर महीने देने की मांग की गई थी। शालिनी तलवार ने कई गंभीर आरोप लगाए थे। याचिका में हनी सिंह पर शारीरिक हिंसा, यौन हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। याचिका में हनी सिंह की पत्नी ने उनके पिता सरबजीत सिंह, मां भूपिंदर कौर और बहन स्नेहा सिंह पर भी घरेलू हिंसा में शामिल होने का आरोप लगाया था।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
■ Website: www.rajneetiktarkas.in
वर्षः 2 अंकः 07 नई दिल्ली बुधवार, 08 नवंबर 2023 पृष्ठः 8

सोनिया राहुल को, गहलोत वैभव को लॉन्च करते रहे

मोदी ने चन्द्रयान से चांद पर तिरंगा लॉन्च कर दिया: अमित शाह

जयपुर/ नागौर, 7 नवंबर (हि.स.)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राजस्थान की चुनावी जनसभाओं में कहा कि दिल्ली में सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी, राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने बेटे वैभव गहलोत को लॉन्च करने की कोशिश में ही लगे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चन्द्रयान लॉन्च कर तिरंगे को चांद पर फहरा दिया है।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान के नावां, मकराना, बिदियाद, परबतसर में जनसभाओं को संबोधित किया। शाह ने कांग्रेस शासन के दौरान किए गए भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति की पोल खोली। उन्होंने राजस्थान की गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार पर कहा कि राजस्थान की भूमि सालों से सम्मान और गौरव की रही है, जहां लोगों ने मुगलों की आंधी का भी डटकर सामना किया था, लेकिन पिछले 5 सालों में अशोक गहलोत सरकार ने वीरभूमि को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यह राजस्थान की सबसे भ्रष्ट सरकार रही है और अब तो हालात ऐसे हैं कि लाल रंग देखकर ही गहलोत साहब भड़क जाते हैं, चाहे कुछ भी लाल हो गहलोत को हर जगह लाल डायरी नजर आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि खनन विभाग में 66 हजार करोड़ का घोटाला हुआ, उदयसागर झील में 2 हजार करोड़ का घोटाला और सचिवालय में 2 किलो सोना मिला, लेकिन अशोक गहलोत की नींद नहीं उड़ी।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अशोक गहलोत को जादूगर कहा जाता है और वे ऐसे जादूगर है जिन्होंने राजस्थान से पांच साल में जादू से बिजली, स्वास्थ्य, पानी, रोजगार और कानून व्यवस्था को गुम कर दिया है। उनके जादू से सिर्फ कुशासन ही निकला है। तुष्टीकरण में तो इस कांग्रेस सरकार ने सारी सीमाएं लांघ दी, जिसके कारण उदयपुर में दिनदहाड़े कन्हैया लाल तेली का सिर काटा गया। रामनवमी पर जुलूस को बैन कर दिया, लेकिन पीएफआई से कोटा में रैली करवाई। गहलोत के शासन में डूंगरपुर में हिंसा, बारां में हिंसा, झालावाड़ में दंगे, करौली में दंगे, जोधपुर में दंगे, भीलवाड़ा, करौली, चित्तौड़गढ़, मेवाड़, धौलपुर और जयपुर में तो हालात बहुत ही विकट रहे हैं। अब समय आ गया है राजस्थान की जनता को इस बार तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली सरकार को उखाड़ फेंकना है।

अमित शाह ने कहा कि राजस्थान में भाजपा का मतलब सुशासन है। यहां कानून व्यवस्था हो, पानी, बिजली, चिकित्सा, शिक्षा सब भाजपा सरकार ही दे सकती है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि इस बार भाजपा की सरकार बनाएं, हम ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिससे पेपर लीक ना हो।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सेना को सबसे ज्यादा जवान राजस्थान ने दिए है। सैनिकों के सम्मान में हमने वन रैंक वन पेंशन की उनकी मांग पूरी की। मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में 8 लाख 71 हजार करोड़ रुपये राजस्थान को दिए। यहां नेशनल हाईवे, एयरपोर्ट, रिफाइनरी, रेलवे के लिए 6 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट दिए है। केन्द्र ने पिछले 10 साल में राजस्थान के 80 लाख किसानों को बैंक खाते में पैसे भेजा, 86 लाख घरों में शौचालय बनाकर माता-बहनों को सम्मान दिया। 5 किलो मुफ्त अनाज गरीबों को देना शुरू किया और अब यह योजना अगले पांच सालों तक जारी रहेगी। अमित शाह ने कहा कि राजस्थान में जहां हाथ रखो वहीं घोटाला सामने आ रहा है।

मंदिरो को बनाएं सामाजिक गतिविधियों का केंद्र: बबीता फोगाट

दिल्ली ब्यूरो

@RajneetikTarkas.In

नई दिल्ली/भारत में अगले 5 साल में 5 लाख मंदिरो को भक्ति केंद्र से शक्ति केंद्र बनाने के संकल्प के साथ शाश्वत हिंदू प्रतिष्ठान की तीसरी स्थापना दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान द्वारा धर्म और समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले देश के विभिन्न प्रांतों से 21 लोगो को महर्षि श्री अरबिंदो सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए संस्थापक श्री के एन गोविंदाचार्य ने कहा कि महर्षि श्री अरबिंदो ने कहा था कि भारत फिर से अखंड होगा। उन्होंने कहा कि आदि कवि वाल्मिकी जी भारतीय संस्कृति के आदि महर्षि हैं महर्षि श्री अरबिंदो जी आधुनिक महर्षि, इनके विचारों पर चलकर सनातन संस्कृति पुरी दुनिया में अपना सकारात्मक प्रभाव बिखेर पाएगी। इस अवसर पर विद्यार्थी परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्री राज कुमार भाटिया जी ने युवकों में सनातन संस्कृति भाव जगाने पर बल दिया। शाश्वत हिंदू के राष्ट्रीय संरक्षक श्री पवन श्रीवास्तव जी कहा कि जागृत हिंदुओ को सक्रिय करने वाला प्रतिष्ठान है। सुप्रसिद्ध महिला पहलवान श्रीमती बबीता फोगाट ने सभी सम्मानितो को सम्मान देते हुए राष्ट्र की रक्षा के लिए संकल्पित होने का आह्वान करते हुए कहा कि मंदिरो से सामाजिक गतिविधियां चलाना एक श्रेष्ठ कार्य है।संयोजक श्री संजय शर्मा ने सनातन संस्कृति पर आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए ' दो घंटे मन्दिर के नाम, राष्ट्र निर्माण के काम ' का आह्वाहन किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. विवेक कुमार ने अगले 5 वर्षों में पुरे देश के पांच लाख मंदिरो को शक्ति केन्द्र बनाने की रूपरेखा को प्रस्तुत किया। सेना के अधिकारी और इतिहास काल क्रम के विशेषज्ञ डॉ वेद वीर आर्या ने वामपंथी और सनातन विरोधी इतिहासकारों द्वारा किए गए षड्यंत्रों को दूर करने के प्रयासों की चर्चा की। तृतीय स्थापना दिवस समारोह में 21 समाज सेवा और धर्म क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभिन्न प्रांतों के चयनित प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र, और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सुप्रसिद्ध योगाचार्य अमित योगी और उनके साधकों द्वारा योग विषयक प्रस्तुति और जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक गुंजन कुमार झा और उनकी टीम द्वारा सांस्कृतिक आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अन्विता चौधरी, और श्रीमती जया कापले द्वारा किया गया। समाज सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित होने वाले प्रतिभागियों में गुरुग्राम से अरविंदम इंडिया गुरुकुलम, दिल्ली से श्री चरणजीव मल्होत्रा , मुम्बई से श्री मती फ्लोरिना अमोल पारूलकर, दिल्ली से जितेंद्र तिवारी , जम्मू से श्री ओम दलमोत्रा , वाराणसी से श्री प्रिंस तिवारी, विजय नगर से आध्रप्रदेश से श्री रेड्डी रामानागुरू, दिल्ली से श्री सरदार रवि रंजन सिंह , पटना से श्री अमित सिन्हा , रायपुर से श्री मती सुनीता टिकारिया, चंपारण से श्री विवेक मणि त्रिपाठी , दिल्ली से विवेक त्यागी , मध्य प्रदेश से श्री मती सरस्वती पेंढारकर , केरला से श्री आचार्य कुमार मनोज, मुम्बई से श्रीमती समीरा परवेज , दिल्ली से श्री गुंजन कुमार झा , मुम्बई से विदुषी शाल्मली जोशी , दिल्ली से श्री अशोक उपाध्याय को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में पूजनीय संत श्री नारायण गिरी जी, सरदार हरजीत सिंह जी साध्वी आराध्या जी और सुप्रसिद्ध विचारक और संगठन के प्रशिक्षण प्रमुख मेजर रमेश उपाध्याय , राष्ट्रीय सम्पर्क प्रमुख योगी अनूप नाथ ,पत्रकार श्री अवधेश कुमार,श्री भोला राम राम गुजर, रॉ के पूर्व अधिकारी श्री एन के सूद , आध्यात्मिक विचारक श्री अजीत सक्सेना , श्री अंशुमन डोगरा , श्री गोपी शंकर मदुरै,एस के महापात्र , नवीन मल्होत्रा , भाई अजय सिंह,सहित अनेकों गण मान्य लोग उपस्थित थे।

■ Website: www.rajneetiktarkas.in

राजनीतिक तरकस

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

7

वर्ष: 2 अंक: 07 नई दिल्ली बुधवार, 08 नवंबर 2023 पृष्ठ: 8

30 नवंबर को केसीआर की 'पिछड़ा वर्ग विरोधी' सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत : मोदी

नई दिल्ली, । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार और कांग्रेस को 'पिछड़ा वर्ग (बीसी) विरोधी" करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस के डीएनए में तीन चीजें वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण समान हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि 30 नवंबर को तेलंगाना विधानसभा चुनाव में बीसी विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत है।

मोदी ने आज हैदराबाद में 'बीसी आत्म गौरव सभा' (पिछड़ा वर्ग स्वाभिमान सभा) की एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान पानी, पैसा और रोजगार जैसे उन मूलभूत मुद्दों के बारे में बात की, जिनके कारण तेलंगाना का गठन हुआ। उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तीनों मोर्चों पर तेलंगाना के लोगों के साथ धोखा हुआ है। मोदी ने कहा कि तेलंगाना में ओबीसी, एससी और एसटी की महत्वपूर्ण आबादी के बावजूद राज्य सरकार ने लगातार बीसी (पिछड़ा वर्ग) के हितों की अनदेखी की।

उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस अलग-अलग नहीं हैं बल्कि ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा, "कांग्रेस और बीआरएस के डीएनए में तीन चीजें समान हैं। एक है वंशवाद, दूसरा है भ्रष्टाचार और तीसरा है भाई-भतीजावाद। इन वंशवादी पार्टियों की शरण में भ्रष्टाचार पनपता है और अवसर केवल इनके रिश्तेदारों को ही मिलते हैं। वंशवाद की मानसिकता से प्रेरित होकर बीआरएस और कांग्रेस यहां कभी भी किसी बीसी को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे।'

मोदी ने देश भर में ओबीसी के उत्थान और प्रतिनिधित्व के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "जब भाजपा को मौका मिला तो उसने आदिवासी समुदाय से द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया। वंशवादी पार्टियां कभी भी किसी दलित, पिछड़े या आदिवासी को प्रमुखता से उभरने नहीं देतीं। आज, भाजपा देश की एकमात्र पार्टी है जो ओबीसी समुदाय को सबसे अधिक प्रतिनिधित्व प्रदान करती है।'

उन्होंने कहा, "केंद्र की एनडीए सरकार में 27 ओबीसी मंत्री हैं, जो आजादी के बाद सबसे ज्यादा हैं। आज देश में भाजपा के 85 ओबीसी सांसद हैं। देश की विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में भाजपा के 365 ओबीसी विधानसभा सदस्य हैं। आज देश में भाजपा के 65 ओबीसी विधान परिषद सदस्य हैं।' राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए मोदी ने कहा, "2019 के लोकसभा चुनाव में तेलंगाना के लोगों ने ऐसे अहंकारी सीएम को अपने वोट की ताकत से जवाब दिया था। इसी हताशा में यहां के नेता मोदी को गाली देते रहते हैं। बीआरएस के भ्रष्टाचार के तार दिल्ली के शराब घोटाले से जुड़े हैं।

अपनी जरूरत पूरी करने के लिए मौजूदा इंसास राइफल को ही अपग्रेड करेगी सेना

भारतीय सेना को तत्काल 2 लाख प्राथमिक 7.62×51 मिमी असॉल्ट राइफल की सख्त जरूरत

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के चलते उत्तर प्रदेश के अमेठी में एके-203 असॉल्ट राइफल का पूरी तरह उत्पादन शुरू नहीं हो सका है। इसलिए भारतीय सेना ने 2 लाख प्राथमिक 7.62×51 मिमी असॉल्ट राइफल की सख्त जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी मौजूदा इंसास राइफल को अपग्रेड करने का फैसला लिया है। भारतीय सेना इसे कई युद्धाभ्यासों में शुरुआती परीक्षण के तौर पर भी इस्तेमाल कर रही है।

रूस के सहयोग से उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित कोरवा ऑर्डिनेंस फैक्टरी में एके-203 राइफलों का निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 03 मार्च, 2019 को इस योजना का औपचारिक उद्घाटन किया था। अमेठी के कोरवा आयुध कारखाने में 6.71 लाख 7.62 मिमी. कलाशनिकोव एके-203 असॉल्ट राइफल का उत्पादन किया जाना था लेकिन फिलहाल पहले बैच का ही उत्पादन किया गया है। इन राइफलों का अभी तक परीक्षण भी नहीं हुआ है, जिससे यह सेना को मिल सकें। इस बीच यूक्रेन के साथ 20 महीने से चल रहे युद्ध में रूस की व्यस्तता के कारण भारत में रूसी मूल की एके 203 असॉल्ट राइफलों का उत्पादन निर्धारित समय से पीछे चल रहा है। इसलिए सेना ने नई राइफल की प्रतीक्षा करने के बजाय अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी मौजूदा इंसास राइफल को अपग्रेड करने का फैसला लिया है।

भारत के स्टार एयरोस्पेस ने इंसास राइफलों को अपग्रेड करने का प्रस्ताव दिया है। इन बंदूकों का अपग्रेडेड वर्जन पहले से ही अर्धसैनिक और राज्य पुलिस के साथ सेवा में है। साथ ही भारतीय सेना भी कई युद्धाभ्यासों में शुरुआती परीक्षण के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। इन बंदूकों में बट स्टॉक, पिस्टल ग्रिप, हैंड गार्ड, स्लिंग, माउंटिंग ऑप्टिकल साइट्स और लोअर पिकाटिननी रेल के लिए अटैचमेंट शामिल करके सेना के मुताबिक अपग्रेड किया जाना है। इंसास राइफलों को ही अपग्रेड करने से नई बंदूक खरीदने का खर्च बचेगा और साथ ही किसी भी तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता भी नहीं होगी। इसलिए सेना ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इंसास राइफलों को ही अपग्रेड करने का फैसला लिया है।

दरअसल, भारतीय सशस्त्र बलों में राइफलों की कमी को पूरा करने के लिए फरवरी, 2019 में अमेरिका निर्मित 7.62 x 51 मिमी कैलिबर की 72,400 एसआईजी सॉयर 716 राइफलें खरीदी गईं थीं। इसमें से सेना को 66,400, भारतीय वायु सेना को 4,000 और नौसेना को 2,000 राइफलें दी गईं थीं। इन असॉल्ट राइफलों में कश्मीर और पूर्वोत्तर में नियंत्रण रेखा के साथ-साथ आतंकवाद विरोधी अभियानों में उपयोग के दौरान कई 'गड़बड़ियां' सामने आई हैं। भारतीय सेनाओं के पास मौजूदा समय में लगभग 20 लाख हथियार उपयोग में हैं। भारतीय सेना विभिन्न प्रकार की असॉल्ट राइफलों का उपयोग करती है, इनमें इंसास (इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम), एके-47, सिग सॉयर 716 और टावर बंदूकें हैं।

मराठा आरक्षण को लेकर बीड़ हिंसा मामले में 66 मामले दर्ज, 160 आंदोलनकारी गिरफ्तार

मुंबई, । मराठा आरक्षण को लेकर बीड जिले में हुई हिंसा मामले में पुलिस ने 66 मामले दर्ज किए हैं और 160 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में करीब 2000 लोगों से पूछताछ हो चुकी है। गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आदेश पर पुलिस ने आंदोलनकारियों की धरपकड़ शुरू कर दी है।

बीड़ जिले के पुलिस अधीक्षक नंद कुमार ठाकुर ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि पुलिस को इस मामले के 200 से ज्यादा वीडियो मिले हैं और आंदोलनकारियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पुलिस की स्पेशल 8 टीम इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस घटना में किसी भी आंदोलनकारी को जाति के आधार पर गिरफ्तार नहीं किया जायेगा और हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई आंदोलनकारियों से की जाएगी।

पिछले सप्ताह मराठा आरक्षण के लिए जालना जिले में मराठा नेता मनोज जारांगे पाटिल ने भूख हड़ताल शुरू की थी। जारांगे की भूख हड़ताल के समर्थन में मराठा आरक्षण के लिए बीड़ में आंदोलनकारियों ने दो विधायकों सहित कई नेताओं के घर फूंक दिए थे। कई सार्वजनिक संपत्तियों की तोड़-फोड़ की थी, साथ ही एसटी महामंडल की सैकड़ों गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया था। गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आंदोलनकारियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बाद पुलिस ने आंदोलनकारियों की धरपकड़ शुरू कर दी है। मराठा नेता मनोज जारांगे पाटिल ने आज पत्रकारों को बताया कि पुलिस मराठा युवकों को अनायास परेशान कर रही है, जबकि मराठा समाज हमेशा शांतिपूर्ण आंदोलन करते रहा है। मनोज जारांगे पाटिल ने कहा कि हिंसक घटनाएं मराठा आंदोलन को बदनाम करने के लिए सरकार पक्ष से ही की गई, इसकी गहन छानबीन की जानी चाहिए।

Rajneetik TARKAS

Pioneer's Tarkas

SEP 2023

Annual Research of Ignited Minds in Bharat

Best Bharat Leaders & Inovation

₹ 200/-

G20 भारत 2023 INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

VOCAL FOR LOCAL

1ST RAJNEETIK TARKAS

National Research Award for Leadership & Inovation

Categories Of Award

Education Health Care • Entrepreneur Startup • Politician
Companies • NGO • Business Services • Coaching Retailer
Fashion • School Author • Social worker Teacher Acting Music

@TarkasDigital

Nominations are Open for the First Resarch of the "RAJNEETIK TARKAS "IGNITED MIND'S" 2023-24 Booklet. A Special Print Booklet Featuring Success Stories of the Most Inspiring People in India.
Apply Now!Email:ignitedmindsforum@gmail.com, Mob: 999 017 0069